**Publication: Hindustan**

**Headline: No Need to get attracted to the gold's shine wait and watch**

**Edition: All Editions**

**Date: 14th August, 2011**

**Coverage**

# सोने की चमक में फिलहाल फंसने की जरूरत नहीं, करें इंतजार

**नई दिल्ली | बिजनेस डेस्क**

दिन प्रतिदिन सोने को नई ऊंचाई पर देख कर अगर आप सोने में निवेश के बारे मे सोच रहे हैं तो आपके लिये थोड़ा इंतजार करना बेहतर होगा। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार जल्द ही सोने की कीमतों में करेक्शन देखा जा सकता है। हालांकि सोना वर्ष के अंत तक नया रिकार्ड बना सकता है। पिछले कुछ दिनों से अंतरराष्ट्रीय व घरेलू आर्थिक स्थितियों में सुधार होता दिखाई दे रहा है। ऐसे में इक्विटी बाजार भी सामान्य की ओर जा रहा है, तो सोने की कीमतों में करेक्शन की उम्मीद की जा रही है।

अमेरिकी क्रेडिट रेटिंग के ट्रिपल ए से घटकर एएप्लस हो जाने से वैश्विक बाजार में असुरक्षा की भावना बढ़ गई। इससे निवेशकों का रुझान सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की ओर केंद्रित हो गया। मांग बढ़ने से सोने की कीमतों ने भी आसमान छू लिया और सोना अब तक के रिकॉर्ड स्तर लगभग 26,000 रुपये प्रति दस ग्राम के स्तर पर जा पहुंचा है। लेकिन विशेषज्ञों की माने तो सोना अगला रिकॉर्ड कायम करने से पहले कुछ दिनों के लिए स्थिर रहेगा।

वैश्विक आर्थिक स्थितियों और घरेलू बाजार पर महंगाई के बढ़ते साये को देखते हुए बाजार विश्लेषकों का मानना है कि स्थितियां को सामान्य होने में अभी वक्त लगेगा। इसके चलते सोने की मांग और कीमत में बढ़ोतरी होती रहेगी। घरेलू बाजार के साथ-साथ सोना अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी रिकॉर्ड स्तर पर बना हुआ है। पिछले सप्ताह के शुक्रवार को सोने ने साल के उच्चतम स्तर 1757 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार किया, जो पिछले साल के मुकाबले 24.2 फीसदी ज्यादा है। इस कीमत स्तर पर भी निवेशक अपनी क्षमता से ज्यादा खरीदारी कर रहे हैं। निवेशकों के साथ-साथ आम लोग भी सोने की खरीदारी कर उसका संचय कर रहे हैं। यही वजह है कि सोने की मांग में लगातार मांग बनी हुई है और कीमतों में भी तेजी जारी है।

लेकिन इसके विपरीत कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि दूसरे रिकॉर्ड तक पहुंचने से पहले सोने की कीमतों में भारी करेक्शन देखने को मिल सकता है। अगर ऐसा होता है तो निवेशकों के ऊपर इसे बेचने का दबाव बढ़ जाएगा। रिद्धिसिद्धि बुलियन्स लि. के निदेशक केतन कोठारी ने बताया कि इक्विटी, बांड्स, करेंसी, रीयल एस्टेट और अन्य एसेट में निवेश को लेकर काफी भ्रांतियां हैं इसलिए निवेशकों को सबसे सुरक्षित स्थान सोने लग रहा है। ऐसे में निवेशक यदि वर्तमान स्तर पर सोने में छोटी अवधि के लिए निवेश करता है तो उसे मायूस होना पड़ सकता है। क्योंकि सोने की कीमतों में करेक्शन अभी बाकी है।

आमतौर पर सोने और तेल को लेकर ये धारणा बनी हुई है कि दोनों की कीमतों में क्रमशः उछाल होते हैं। यानी यदि तेल के दाम ऊंचे में है तो सोने के मूल्य में भी उछाल आएगा। इसके विपरीत तेल की कीमतों के साथ भी ऐसा ही होता है। वर्ष 1988 से 2010 तक के अध्ययन पर आधारित डब्लूजीसी की एक रिपोर्ट में ये बात कही गई है कि वर्षों से चली आ रही इस धारणा में कोई दम नहीं है। सोने का अपना एक अलग व्यवहार है। ये अपने आप में एक स्वतंत्र संपत्ति है, जिसे लोग सुरक्षित होने के साथ-साथ संपत्ति में वृद्धि करने के लिए भी खरीदते हैं। ऐतिहासिक आंकड़ों की माने तो जब भी इक्विटी बाजार में सामान्य से ज्यादा उठा-पटक का दौर आता है, सोने के दाम में उछाल आ जाता है। इससे निवेशकों के सामान्य स्वभाव का पता चलता है। हालांकि पिछले कुछ दिनों में शेयर बाजारों में कुछ सुधार देखा गया है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि निवेशक इक्विटी की तरफ लौट रहे हैं। ऐसे में सोने की कीमतों में कमी की उम्मीद की जा सकती है।

## अंतरराष्ट्रीय कारोबार में सोना फिसला

**लंदन** । अमेरिका और जापान से सकारात्मक आंकड़े जारी होने से अंतर्राष्ट्रीय कारोबार के दौरान सोने के दाम लगातार तीसरे दिन गिरावट में रहे। निवेशकों की बेरुखी से सोने का कारोबार 1740.84 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ। अमेरिकी अर्थव्यवस्था की नकारात्मक खबरों और यूरोप के ऋण संकट के फैलने की आशंका से पिछले सप्ताह सोने के भाव अंतर्राष्ट्रीय कारोबार में रिकार्ड 1813.79 डॉलर प्रति औंस तक चढ़ गए थे। अमेरिका में सोने का वायदा 1743.30 डॉलर प्रति औंस पर रहा। कारोबारियों का कहना है कि निवेशकों का रुख अन्य जिंसों की ओर है।

## कहां है कितना सोना

| देश | मात्रा | विश्व में स्थान |
|---|---|---|
| अमेरिका | 8133.5 | 1 |
| जर्मनी | 3401 | 2 |
| इटली | 2451.8 | 3 |
| भारत | 557.7 | 11 |

(मात्रा टन में)

## संभलकर करें निवेश

- साल के अंत तक नया रिकॉर्ड कायम कर सकता है सोना
- नए रिकॉर्ड तक जाने से पहले सोने की कीमतों में फिलहाल होगा करेक्शन
- इक्विटी बाजार में सुधार और घरेलू आर्थिक विकास में गति के चलते सोने के दाम में आएगी गिरावट
- छोटी अवधि के लिए सोने में निवेश कर सकता है निवेशक को मायूस